proceed to elect, in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote, one Member from amongst the Members of the House to the said Joint Committee, to fill the vacancy."

The question was put and the motion was adopted.

RE. DEMAND FOR IMMEDIATE DISCUSSION ON KASHMIR ISSUE

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, कल पूरे विपक्ष ने कश्मीर के मुद्दे पर नोटिस दिया था। सर, यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर चेयर की रूलिंग थी कि इस पर आज discussion होगा, लेकिन सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया और न ही कोई सहमति बनी है।

श्रीमन्, अगर चेयर की बात पर सरकार राज़ी नहीं होती, तो इस से बड़ी चेयर की अवहेलना नहीं हो सकती। हम लोग चाहते हैं कि इस विषय पर आज discussion हो।

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, you had assured yesterday that we can have the discussion today. All of us have given notices. Then, why is it not listed today?

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): सर, कल मीटिंग में भी यह चर्चा हुई थी और तय हुआ था कि इस विषय पर चर्चा होगी। सरकार से भी कहा गया था कि आप इस विषय पर चर्चा कराइए और सरकार ने भी कहा था कि हमें इस पर चर्चा करने में कोई आपत्ति नहीं है। इस पर बहस हो सकती है।

सर, हम कल से मांग कर रहे हैं कि कश्मीर में गंभीर हालात पैदा हुए हैं। आज वहां कर्फ्यू का 31वां दिन है और मैं इस बात को फिर दोहराना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान की तारीख में यह लिखा जाएगा, अब यह किन शब्दों में लिखा जाएगा, मैं कह नहीं सकता कि 31 दिन तक कर्फ्यू जारी था और आने वाले हफ्ते में भी कोई गुंजाइश नहीं है। मैं उन दिनों और dates का जिक्र नहीं करना चाहता हूं। सर, हम खाली गवर्नमेंट पर आरोप नहीं लगाना चाहते, हम तो गवर्नमेंट से कहते हैं कि हम भी मदद करेंगे। सभी अपोजीशन पार्टीज वहां के हालात को काबू करने के लिए सरकार की मदद करेंगी। वहां बच्चे मर रहे हैं, औरतें मर रही हैं, मर्द मर रहे हैं और सेक्युरिटी फोर्सस के लोग भी मर रहे हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि खाली civilians मर रहे हैं, पुलिस और सीआरपीएफ के लोग भी मर रहे हैं, पुलिस और सीआरपीएफ के लोग भी जख्मी हुए हैं। हमें जहां हमारे सिविलियन भाईयों, बहनों और बच्चों का अफसोस है, उतना ही अफसोस हमें सेक्युरिटी फोर्सस के लिए भी है। जहां सिविलियंस और सेक्युरिटी फोर्सस के लोग आमने-सामने या eyeball to eyeball होंगे और एक-दूसरे के दुश्मन हो जाएं, तो मैं नहीं समझता कि यह पार्लियामेंट तमाशाई बनकर रह जाएगी। इस विषय पर कम-से-कम इस हाउस में, दूसरे हाउस में चर्चा होनी चाहिए। सर, अब तो पार्लियामेंट सेशन के दो दिन रह गए हैं। अब या तो गवर्नमेंट time buy करना चाहती है कि इन दो दिनों में टाल दो, उसके बाद सेशन खत्म हो जाएगा और फिर कोई बहस या शोर नहीं होगा।

सर, हमारी मांग है कि जैसे कल सरकार ने वायदा किया था कि आज इस विषय पर बहस हो और बहस में हम सुझाव भी देंगे। सर, past में गलतियां हुई हैं, मैं जब चीफ मिनिस्टर था, उस समय भी हालात बहुत खराब हुए थे, जब उमर साहब थे और हमारी और उमर साहब की coalition Government थी, उस वक्त भी हालात खराब हो गए थे। मैंने अपने पत्र में माननीय प्रधान मंत्री जी को यही लिखा था कि आपको 2008 और 2010 से सबक लेना चाहिए था और जो गलतियां शायद हमारे वक्त में हम से हुई थीं, वे रिपीट नहीं हो सकतीं। जब हम बहस करेंगे, तब 2008 की भी बात करेंगे, आपको कहने की जरूरत नहीं होगी। हमें उन गलतियों को कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, जो गलतियां हमारे वक्त में हुई थीं, लेकिन आज जो गलतियां हो रही हैं, आज कोई पूछ ही नहीं रहा है, बहस नहीं हो रही है, all-party meeting नहीं हो रही है, all-party delegation नहीं जा रहा है, उसके लिए मेरी माननीय चेयरमैन साहब से एक ही गुज़ारिश होगी कि सभी पार्टियों को इस पर बात करने का मौका दिया जाए और बहस के लिए आज 2 बजे का समय निर्धारित किया जाए। हमारी यही मांग रहेगी कि एकाध दिन के अंदर, यहां दिल्ली में all-party meeting हो और दो दिन के अंदर एक all-party delegation कश्मीर जाना चाहिए। उपसभापति जी, यह बहुत ही गंभीर विषय है और पूरा हिन्दुस्तान देख रहा है कि पार्लियामेंट इस पर क्या करेगी? हमारी तरफ पूरे मुल्क की आँखों लगी हुई हैं।

† **قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد):** سر، کل میٹنگ میں بھی یہ چرچہ ہوئی تھی اور طے ہوا تھا کہ اس موضوع پر چرچہ ہوگی۔ سرکار سے بھی کہا گیا تھا کہ آپ اس موضوع پر چرچہ کرائیے اور سرکار نے بھی کہا تھا کہ ہمیں اس پر چرچہ کرنے میں کوئی آپتی نہیں ہے۔ اس پر بحث ہوسکتی ہے۔

سر، ہم کل سے مانگ کررہے ہیں کہ کشمیر میں گمبھیر حالات پیدا ہوئے ہیں۔آج وہاں کرفیو کا 31واں دن ہے اور میں اس بات کو پھر دوہرانا چاہتا ہوں کہ ہندستان کی تاریخ میں یہ لکھا جائے گا، اب یہ کن شبدوں میں لکھا جائے گا، میں کہہ نہیں سکتا کہ 31 دن تک کرفیو جاری تھا اور آنے والے ہفتےمیں بھی کوئی گنجائش نہیں ہے۔ میں ان دنوں اور dates کا ذکر نہیں کرنا چاہتا ہوں۔ سر، ہم خالی گورنمنٹ پر الزام نہیں لگانا چاہتے، ہم توگورنمنٹ سے کہتے ہیں کہ ہم بھی مدد کریں گے۔ سبھی اپوزیشن پارٹیز وہاں کے حالات کو قابو کرنے کے لیے سرکار کی مدد کریں گی۔ وہاں بچے مررہے ہیں، عورتیں مررہی ہیں، مرد مررہے ہیں اور سیکورٹی فورسیز کے لوگ بھی مررہے ہیں۔ میں یہ نہیں کہونگا کہ صرف civilieans مررہے ہیں، پولیس اور سی آر پی ایف کے لوگ بھی مررہے ہیں، پولیس اور سی آر پی ایف کے لوگ بھی زخمی ہوئے ہیں۔ ہمیں جہاں ہمارے سویلینس بھائیوں، بہنوں اور بچوں کا افسوس ہے، اتنا ہی افسوس ہمیں سیکورٹی فورسیز کے لیے بھی ہے۔ جہاں سویلینس اور سیکورٹی فورسیز کے لوگ آمنے

† Transliteration in Urdu script.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

سامنے یا eyeball to eyeball ہونگے اور ایک دوسرے کے دشمن ہوجائیں، تو میں نہیں سمجھتا کہ یہ پارلیمنٹ تماشائی بن کر رہ جائے گی۔ اس موضوع پر کم سے کم اس ہاؤس میں، دوسرے ہاؤس میں چرچہ ہونی چاہیئے۔ سر، اب تو پارلیمنٹ سیشن کے دو دن رہ گئے ہیں۔ اب یا تو گورنمنٹ time buy کرنا چاہتی ہے کہ ان دو دنوں میں ٹال دو، اس کے بعد سیشن ختم ہوجائے گا اور پھر کوئی بحث یا شور نہیں ہوگا۔

سر، ہماری مانگ ہے کہ جیسے کہ کل سرکار نے وعدہ کیا تھا کہ آج اس موضوع پر بحث ہو اور بحث میں ہم سجھاؤ بھی دیں گے۔ سر، past میں غلطیاں ہوئی ہیں، میں جب چیف منسٹر تھا، اس وقت بھی حالات بہت خراب ہوئے تھے، جب عمر صاحب تھے اور ہماری اور عمر صاحب کی کولیشن گوورنمینٹ تھی، اس وقت بھی حالات خراب ہو گئے تھے۔ میں نے اپنے خط میں مانّئے پردھان منتری جی کو بھی لکھا تھا کہ آپ کو 2008 اور 2010 سے سبق لینا چاہئے تھا اور جو غلطیاں شاید ہمارے وقت میں ہم سے ہوئی تھیں، وہ ریپیٹ نہیں ہوسکتیں۔

جب ہم بحث کریں گے، تب 2008 کی بھی بات کریں گے، آپ کو کہنے کی ضرورت نہیں ہوگی۔ ہمیں ان غلطیوں کو کہنے میں کوئی ہچکچاہٹ نہیں ہے، جو غلطیاں ہمارے وقت میں ہوئی تھیں، لیکن آج جو غلطیاں ہو رہی ہیں، آج کوئی پوچھ ہی نہیں رہا ہے، بحث نہیں ہو رہی ہے، آل پارٹی میٹنگ نہیں ہو رہی ہے، آل پارٹی ڈیلی-گیشن نہیں جا رہا ہے۔ اس کے لئے میری مانّئے چیئرمین صاحب سے ایک ہی گزارش ہوگی کہ سبھی پارٹیوں کو اس پر بات کرنے کا موقع دیا جائے اور بحث کے لئے آج 2 بجے کا وقت مقرّر کیا جائے۔ ہماری یہی مانگ رہے گی کہ ایک-آدھ دن کے اندر، یہاں دہلی میں آل پارٹی میٹنگ ہو اور دو دن کے اندر ایک آل پارٹی ڈیلی-گیشن کشمیر جانا چاہئے۔ اُپ سبھا پتی جی، یہ بہت ہی گمبھیر موضوع ہے اور پورا ہندوستان دیکھ رہا ہے کہ پارلیمنٹ اس پر کیا کرے گی؟ ہماری طرح پورے ملک کی آنکھیں لگی ہوئی ہیں۔

श्री शरद यादव (बिहार): उपसभापति जी, कल पक्का तय हो गया था कि आज कश्मीर के मामले पर बहस होगी। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार और वहां जो alliance है, पीडीपी और कांग्रेस का ...**(व्यवधान)**... I am sorry, बीजेपी और पीडीपी का, इनको छोड़कर पूरा देश और हम में से कोई नहीं जानता है कि वहां जो विकट परिस्थिति है, जिस पर एलओपी ने अपनी बात रखी है, उस पर पूरा सदन और पूरा देश जानना चाहता है कि सरकार ने, क्यों और कैसे, एक sectarian तरीके से, इस मामले को अपने हाथ में लेकर रखा हुआ है? यह भी पता नहीं है कि आपकी रणनीति क्या है? आप कश्मीर को फ़ौज और पुलिस के दम पर ही ठीक करना चाहते हैं। यानी ये जो सारी चीज़ें हैं, आप इनको अकेले ही ठीक करना चाहते हैं, क्योंकि आपने इस मसले पर केवल अपनी पार्टी, एनडीए या पीडीपी को छोड़कर पूरा देश छोड़ रखा है।

उपसभापति जी, इस पर पूरा देश चिंतित है। वहां pellet guns का सवाल उठा था। आपने सिर्फ कमेटी बनाई है। ये guns इतनी खराब हैं कि इनकी वजह से कितने लोग अंधे हो गए हैं। मेरा आपके माध्यम से, सरकार से निवेदन है कि सरकार पूरे देश को विश्वास में लेकर चले। हम लोग, वहां हर तरह की मदद देने को तैयार हैं, सरकार के साथ हर तरह का सहयोग करने को तैयार हैं। वहां हमारे भी बहुत-से लोग हैं, जिनके साथ हम वादा करके रास्ता खोजने का काम करें। हो सकता है कि हम फेल हो जाएं, लेकिन हमारा जो कर्तव्य है, कम से कम उसको करने का मौका तो हमें दिया जाए। यह अजीब बात है कि सरकार हमें यह मौका भी नहीं दे रही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सीताराम येचुरी: उपसभापति जी, यह बात है कि I remember the Leader of the House and I were together in one Delegation in 2010; we went to Kashmir and, after that, he knows, I know and we all know how the situation came under control. Why are you not sending an all-party delegation from the Parliament? Why is an all-party meeting not called? Why is the political process not being started? And for heaven's sake, stop these pellet guns. You, please, right now announce that there will be an all-party delegation as soon as the Parliament Session ends on the 12th.

श्री शरद यादव: Pellet guns बंद करो।

श्री सीताराम येचुरी: वही तो बोला है। मैं वही बोल रहा हूं, आप सुन नहीं रहे हैं। You stop that and send this delegation on the 12th itself. Stop the pellet guns immediately. Send this delegation on the 12th. Start the political process. ...(*Interruptions*)... Start the consultation with all shades of opinion. ...(*Interruptions*)...

श्री नज़ीर अहमद लवाय (जम्मू और कश्मीर): उपसभापति जी, वहां 2010 में क्या हुआ? ...**(व्यवधान)**... उनकी सरकार थी। ...**(व्यवधान)**...

†جناب نذیر احمد لوائے : اپ سبھا پتی جی، وہاں 2010 میں کیا ہوا ---(مداخلت)--- ان کی سرکار تھی ---(مداخلت)---

† Transliteration in Urdu script.

SHRI SITARAM YECHURY: Start the consultation with all shades of opinion in Kashmir and try to restore the normalcy. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Listen. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: The Leader of the Opposition has said ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: They all have given the notice. Sit down. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, therefore,...(*Interruptions*)...

SHRI NAZIR AHMED LAWAY: Sir, this was introduced...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. ...(*Interruptions*)... I have allowed him. ...(*Interruptions*)... No, no. Please. ...(*Interruptions*)...

SHRI NAZIR AHMED LAWAY: You introduced the...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ram Gopal Yadav...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, the Leader of the House has made this suggestion. ...(*Interruptions*)... It was agreed yesterday. ...(*Interruptions*)... You were in the chair. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: You said that there will be a discussion. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. You made your point. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Immediately, I want the Government to announce stoppage of pellet guns ...(*Interruptions*)... Send an all-party delegation to Kashmir on the 12th, as soon as this Parliament Session ends. ...(*Interruptions*)... And let us go there and open the dialogue with all shades of opinion. ...(*Interruptions*)... That needs to be done immediately. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Please. ...(*Interruptions*)...

श्री नज़ीर अहमद लवाय: आपने वहां क्या किया? **...(व्यवधान)...**

†جناب نذیر احمد لوائے: آپ نے وہاں کیا کیا؟ ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Nazir Ahmed Laway, please sit down. All of you sit down ...(*Interruptions*)...

† Transliteration in Urdu script.

श्री नज़ीर अहमद लवायः क्या किया था आप लोगों ने? ...(**व्यवधान**)...

†جناب نذیر احمد لوائے: کیا کیا تھا آپ لوگوں نے؟ ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All of you, please listen. The Kashmir issue is not an issue to fight and score political points. It is an issue about which all of us are concerned, and it is to be solved with the cooperation of all the people. I tell you, we all understand the feelings of the people of Kashmir. So, don't get angry. All of them have given notice under Rule 267. So, I have to allow them. Let me listen to them. This is only a discussion. After that, if you have to say anything, I will allow you. Now, please sit down.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश)ः श्रीमन्, कल ही यह लगभग तय हो गया था कि कश्मीर के मसले पर चर्चा होगी, क्योंकि यह इतना ज्वलंत सवाल है। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं, पूरा देश देख रहा है कि कश्मीर जल रहा है, तो लोग हम लोगों से भी तो यह पूछ सकते हैं कि आप पार्लियामेंट में बैठे हुए क्या कर रहे हैं, आपने क्या किया? जब हम discussion करना चाहते हैं, सरकार से कहते हैं कि वहां delegation भेजिए, कोई कदम उठाया जाए, ताकि जनता को लगे तो कि पार्लियामेंट भी इस पर सचेत है। देश का एक हिस्सा जल रहा है। अगर शरीर का कोई अंग चोटिल होता है, तो पूरे शरीर को कष्ट होता है। ऐसा नहीं कि सिर्फ वहीं दर्द हो, पूरा शरीर उससे दुखता है। सारा देश चिन्तित है और हम यहां बैठे रहें, इस पर चर्चा भी न करें, यह अजीब बात है। अगर आज 2 बजे से इस पर चर्चा का आश्वासन नहीं मिलता है, तो मुझे नहीं लगता है कि ज़ीरो ऑवर वगैरह की कोई कार्यवाही हो सकती है। इसलिए गवर्नमेंट खड़ी हो और बताए कि वह क्या करने जा रही है, वह delegation भेज रही है कि नहीं और इस पर और कोई कदम उठा रही है या नहीं?

सुश्री मायावती (उत्तर प्रदेश)ः माननीय उपसभापति जी, जम्मू-कश्मीर में पिछले काफी लंबे समय से लगातार कर्फ्यू लगने की वजह से हालात काफी ज्यादा खराब हैं और वहां के लोगों का जीवन काफी अस्त-व्यस्त हो रहा है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी यह चाहेगी कि इस मुद्दे पर हाउस के अन्दर सभी कार्यों को रोक कर चर्चा होनी चाहिए और चर्चा के दौरान हमारी पार्टी यह भी चाहेगी कि यह अच्छा होगा कि माननीय प्रधान मंत्री जी यहां हाउस में मौजूद रहें और चर्चा का जवाब माननीय प्रधान मंत्री जी खुद दें। इतना ही नहीं, माननीय उपसभापति जी, मैं इसके साथ-साथ यह भी कहना चाहती हूँ कि अभी हाल ही में दो साल के बाद दलित उत्पीड़न के मामले में माननीय प्रधान मंत्री जी ने, जबकि इस समय पार्लियामेंट का सेशन चल रहा है, तो पार्लियामेंट के सेशन के दौरान हाउस के बाहर जाकर उन्होंने जो कुछ बोला है, यदि वही बात वे हाउस के अन्दर, पार्लियामेंट के अन्दर, लोक सभा और राज्य सभा के अन्दर बोलते, तो मैं समझती हूँ कि यह ज्यादा अच्छा होता। उन्होंने यह बात पार्लियामेंट के सेशन के चलने के दौरान यहां न बोल कर पार्लियामेंट के बाहर बोली है, इससे उनकी दलितों के मामले में जो सोच है, जो उनकी नीति है, वह * पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित नजर आती है। पूरे देश के अन्दर कभी दलितों के साथ जुल्म-ज्यादती हो रही है, कभी अन्य वर्ग के लोगों के साथ जुल्म ज्यादती हो रही है।

---

† Transliteration in Urdu script.

*Expunged as orderd by the Chair.

श्री उपसभापतिः अभी सब्जेक्ट यह नहीं है। अभी दूसरा सब्जेक्ट है।

सुश्री मायावतीः देश का जम्मू-कश्मीर एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, उसकी तरफ सरकार ध्यान नहीं दे रही है। बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः वह दूसरा सब्जेक्ट है। You come to the issue of Kashmir. ...(*Interruptions*)... No, please.

सुश्री मायावतीः हम नेता सदन से चाहेंगे कि इस मामले के ऊपर भी बहस होनी चाहिए और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Roy, you speak on this Kashmir issue.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, a few weeks back when this matter cropped up, when some Members, including the LoP, took up the issue on the floor of this House, our party leader Shri Derek O'Brien categorically stated that due to mismanagement on the part of the Government, the situation had gone out of control. Now, it has been proved beyond doubt that the situation is still alarming. Yesterday, when the matter was again raised by the LoP and other hon. Members, the Government categorically assured this House that the matter would be discussed today. 'The Government is ready for a discussion', these were the exact words uttered by the hon. Minister of State for Parliamentary Affairs.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; it is not like that. There is a slight difference.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY: He said, 'The Government is ready for a discussion'.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I want to correct it as there is a slight difference. ...(*Interruptions*)... Okay, after you.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY: Now, since, as many as ten political parties have given notice under Rule 267, I think that it would be wise for the Government to agree for a discussion today itself, say, by 2'o clock. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, I want to slightly correct you because the position is like this. Yesterday, many of hon. Members demanded that there should be a discussion yesterday itself, and I remember, lastly, Shri Sharad Yadav was saying 'अभी डिस्कशन हो'। Then, hon. Minister, Shri Naqvi stood up and said, "The Government is ready for a discussion". He didn't say 'yesterday' or 'today'. Then, from the Chair, I said, "Discussion should be as early as possible and, if possible, and, I said, at least, by tomorrow". That was my observation.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY: You said, "by tomorrow".

MR. DEPUTY CHAIRMAN: 'By tomorrow' means today. I said yesterday, 'tomorrow', which means today. So, that was my view; I don't say it was a direction because I used the word 'at least', so that the Government can try its best to have a discussion today. Therefore, I would like to know what the present position of the Government in this regard is.

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, our notice has been prompted by your suggestion.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, correctly. I agree with it. I own that.

SHRI SITARAM YECHURY: So, you are the source as to why we have given the notice.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I own that.

SHRI SITARAM YECHURY : Sir, please ensure it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But I have to be correct with the fact, and that is all what I said. So, Naqviji, what is the position now? Naqviji, I will give you a suggestion that if you are agreeing for a discussion, we can have it at 2.00 p.m.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी)ः सर, कल भी इस बारे में चर्चा हुई थी और माननीय नेता विरोधी दल, येचुरी जी और सभी वरिष्ठ नेताओं ने इस बात को कहा था। हमने यह कहा था कि कश्मीर में शांति हो, अमन हो और कश्मीर प्रगति की मुख्य धारा में तेजी से शामिल हो रहा है, उसमें किसी तरह की रूकावट न हो, हम सब यह चाहते हैं। हम इस विषय पर एक बार चर्चा कर चुके हैं, इसी सत्र में कर चुके हैं और मैंने हवाला भी दिया था कि रूल 169 के तहत, क्योंकि एक सत्र में एक चर्चा हो जाती है तो दुबारा नहीं होती, लेकिन सदन की भावनाओं और सदन के नेताओं के इसमें जो विचार हैं, वह हमारी प्राथमिकता है। हमने यह भी कहा था कि हम इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं, एक-दो दिन में हम ऑनरेबल होम मिनिस्टर साहब से बात करेंगे। ...**(व्यवधान)**... ऑनरेबल होम मिनिस्टर से एक-दो दिन में हम चर्चा करेंगे। अभी हमने बात ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः अभी का आप सुनिए। ...**(व्यवधान)**... सुनिए, सुनिए।

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः हम जवाब दे दें, तो आप संतुष्ट होंगे। हमने अभी ऑनरेबल होम मिनिस्टर साहब से, चूंकि अभी लोक सभा में क्वेश्चन ऑवर चल रहा है, उनसे जानकारी ली, तो वे कल की चर्चा के लिए तैयार हैं और आप कल चर्चा कर लें। ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): नहीं, नहीं। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभापति जी, आप नियम 267 देख लीजिए। अगर आप नियम 267 में इसे एक्सेप्ट कर रहे हैं, तो नियम 267 का मतलब है कि अभी सदन की सारी कार्यवाही रोक कर इसको शुरू किया जाए। अब नियम 267 में कल के लिए कैसे हो जाएगा? ...**(व्यवधान)**... वह कैसे हो सकता है? इसको तो अभी शुरू करना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, what he has said is correct but the Minister said, "एक-दो दिन" ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has said 'tomorrow'. He said, 'positively tomorrow'.

SHRI SITARAM YECHURY: No, Sir, He said just now, "एक-दो दिन". Yesterday, it was 'एक दिन'; today, he says, "एक-दो दिन". तो यह दो दिन में करिए। Now, why postpone it to tomorrow? Sir, every day, it is getting postponed. I don't understand why

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: Sir, we need to discuss this issue today. ...(*Interruptions*)... The House is unanimous on this issue. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Unfortunately, there will be more people dying; more innocent people are being killed. Why do you want to prolong this? This is an agony for the whole country. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But, Yechuryji, he has to talk to the Home Minister. The Home Minister should be available here. So, we have to seek the convenience of the Home Minister also. ...(*Interruptions*)...

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: Sir, let the Prime Minister be here.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Understand the practical problem. ...(*Interruptions*)... Now, listen. Understand the practical problem. See, I know Rule 267. Yes, the Rule can be suspended, and we can start the discussion. ...(*Interruptions*)... But can you have a discussion on this subject without the concerned Minister here? I understand and appreciate the feelings of all Members. I also concede that it is a very, very serious matter to be taken up as quickly as possible. But the Chair cannot allow a discussion to be started when the concerned Minister is not here. Therefore, I am directing the Parliamentary Affairs Minister to contact the Home Minister and find out his availability; if possible for today, or, at least, for tomorrow. ...(*Interruptions*)...

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: No, no. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, I will convey it to the hon. Home Minister. ...(*Interruptions*)... He is ready for tomorrow. ...(*Interruptions*)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सर, आज दो बजे डिस्क्शन क्यों नहीं हो सकता है?

†جناب غلام نبی آزاد: سر، ا ج دو بجے ڈسکشن کیوں نہیں ہوسکتا ہے؟

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Tomorrow is okay. ...(*Interruptions*)...

† Transliteration in Urdu script.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, tomorrow, there is a very important Short Duration Discussion. ...(*Interruptions*)... There is a difficulty in having it tomorrow. ...(*Interruptions*)... Today is the ideal day to discuss it.

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः सर, मैंने कल कहा था कि इस पर कल या परसों, जब भी appropriate समय मिलेगा, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। **...(व्यवधान)...** यह रिकॉर्ड पर है। हमने कहा था कि मैं होम मिनिस्टर साहब से बात करूंगा, इस पर कल या परसों जब भी appropriate समय मिलेगा, हम चर्चा के लिए तैयार हैं। **...(व्यवधान)...** वैसे हम कश्मीर पर चर्चा कर चुके हैं। ऑनरेबल लीडर ऑफ द हाउस ने उसमें intervene किया था और होम मिनिस्टर साहब ने उस पर रिप्लाई दिया था। उसके बावजूद भी, अगर सदन चाहता है, तो हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हम होम मिनिस्टर साहब से बात करेंगे, कल या परसों उस पर चर्चा हो जाएगी। **...(व्यवधान)...** This is on record. ...(*Interruptions*)... This is what I stated here. This is in the record.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He was reading out what he said yesterday. ...(*Interruptions*)...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः मैं कोई हवा में नहीं बोल रहा हूँ। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He was reading out what he said yesterday.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः उसके बाद चेयर का डायरेक्शन आया है कि कल चर्चा होगी। **...(व्यवधान)...** आप उसके आगे पढ़ लीजिए। **...(व्यवधान)...**

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: No direction came from the Chair. ...(*Interruptions*).

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभापति महोदय, कल नई शिक्षा नीति पर डिस्कशन लगा है। यह बहुत important matter है। जो नई शिक्षा नीति बन कर आ रही है, उस पर कल डिस्कशन लगा है। अगर आप कल कश्मीर पर डिस्कशन लगा देंगे, तो नई शिक्षा नीति पर डिस्कशन कब होगा? **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nareshji, without the presence of the Home Minister here, what is the use of having a discussion? ...(*Interruptions*)...

SHRI NARESH AGRAWAL: Sir, you call the Home Minister. ...(*Interruptions*)...

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, the Leader of the House is here. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Naqviji, you are saying that the Home Minister will be available tomorrow. ...(*Interruptions*)... Yes, they can agree for that.

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, you take it at 2.00 p.m. today. ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, you fix the date.

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, लोक सभा में क्वेश्चन ऑवर 11 बजे से 12 बजे तक होता है, 12 बजे क्वेश्चन ऑवर खत्म हो जाएगा और आपने इस चेयर से कहा था कि कल इस पर चर्चा होगी। जब हिन्दुस्तान जल रहा है, कश्मीर जल रहा है, तो सरकार चर्चा से क्यों भाग रही है? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is all correct.

श्री प्रमोद तिवारीः सरकार क्यों चाहती है कि कश्मीर जलता रहे? ...**(व्यवधान)**... विपक्ष चाहता है कि मदद करे, इस समस्या का समाधान हो। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः कृपया बैठिए, बैठिए। ...**(व्यवधान)**... Tiwariji, listen. It is not like that. ...(*Interruptions*)... Please sit down. It is a very serious subject. We should see the practical problem also. Let me say this. If the Home Minister cannot come today... ...(*Interruptions*).

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, प्रधान मंत्री जी यहां रहें ...**(व्यवधान)**... इतने अहम सवाल पर वे नहीं रहेंगे, नहीं जवाब देंगे, तो किस विषय पर जवाब देंगे? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः अंसारी जी, कृपया आप सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः सर, आपने कल कह दिया था कि आज इस पर चर्चा होगी, तो होम मिनिस्टर को आज तैयार रहना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः कृपया आप सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः सर, इसमें उनके बाहर होने का कोई मतलब ही नहीं है। अगर किसी वजह से होम मिनिस्टर नहीं आ सकते हैं, तो प्रधान मंत्री जी तो आ सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः कृपया आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः सर, प्रधान मंत्री जी को आना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is all. You can demand anything. But the question is, the Home Minister is also an individual like each one of us. So, naturally, if he says, "He can come only tomorrow", why not we agree to that? Nothing will happen in one day. ...(*Interruptions*)... We will agree for tomorrow.

श्री अली अनवर अंसारीः इससे बड़ा क्या engagement हो सकता है? ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः सर, कल एजुकेशन पॉलिसी पर चर्चा होनी है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: At what time tomorrow, Shri Naqvi?

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, tomorrow at 2.00 p.m. ...(*Interruptions*)...

SHRI NARESH AGRAWAL: Sir, what about Education Policy? ...(*Interruptions*)...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वीः सर, आप डिसाइड करिए। ...**(व्यवधान)**... You decide.

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: Why tomorrow, Sir? ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, why delay it?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What can I do?

SHRI SITARAM YECHURY: No; please understand.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Can I bring the Home Minister here? What are you talking?

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I appeal to you. Please understand. By every day's delay, we are losing innocent lives of our youth in Kashmir. Every day you delay. This is not a normal thing when we say, "What will happens? We can do it tomorrow," But this is an abnormal situation. We are losing lives every day. Is that what we are all supposed to preside over? Is that our job in the Parliament? Sir, please consider the human angle. Therefore, you urge the Minister...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What can I do? I said, "The Chair has no problem in allowing the discussion." All that I am saying is, "When the discussion takes place, the Home Minister should also be there", and the Minister is saying that the Home Minister is available tomorrow. That is the point. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, why are we delaying it? ...(*Interruptions*)... Sir, every day it is postponed.

श्री अली अनवर अंसारीः सर, वहां की चीफ मिनिस्टर होम मिनिस्टर से मिली हैं। **...(व्यवधान)...** होम मिनिस्टर भी उनको रिपोर्ट करते हैं। **...(व्यवधान)...** इससे अहम सवाल और क्या हो सकता है? **...(व्यवधान)...**

SHRI SITARAM YECHURY: Let him come. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let the Minister tell us. Is it possible for him to... ...(*Interruptions*)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Yes, Sir, tomorrow. Tomorrow, that is, Wednesday, at 2 p.m.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The discussion on Education Policy can be taken up the next day.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Yes, Sir.

श्री उपसभापतिः नेक्स्ट डे एजुकेशन पर चर्चा हो जाएगी। **...(व्यवधान)...**

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः उपसभापति जी **...(व्यवधान)...** सर, एक मिनट **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: On Thursday, we will have the discussion on Education Policy. Let us be practical.

SHRI SITARAM YECHURY: On Thursday, Sir?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes. Let us be practical. You understand that.

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: Sir,..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You were also on this side. You know it.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः सर, आज कश्मीर में जो हालात हैं, वे बहुत खराब हैं। **...(व्यवधान)...**

श्री उपसभापतिः मुझे मालूम है, मुझे मालूम है। **...(व्यवधान)...** मैं भी अखबार पढ़ता हूं। मुझे भी मालूम है। **...(व्यवधान)...** I also know these things. ...(*Interruptions*)... Please sit down. Nareshji, please sit down. ...(*Interruptions*)... Yechuryji, the discussion will be taken up tomorrow. The point is, you are very right in demanding an immediate discussion, but the Government should also tell us about the time of the discussion. Government has said, 'tomorrow'. The Chair has to consider both sides. So, the Chair accepted the view and agreed to the suggestions that the discussion would be taken up tomorrow at 2.00 p. m., and the discussion on the Education policy will be taken up the next day.

SHRI T. K. RANGARAJAN: Sir, I have a point of order.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः इससे ज्यादा चिंता का और क्या विषय हो सकता है? **...(व्यवधान)...** सारे कामों को छोड़कर इस मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं कर सकते हैं? **...(व्यवधान)...**

श्री नरेश अग्रवालः सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

श्री नरेश अग्रवालः सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। **...(व्यवधान)...**मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर यह है कि यहां पर यह तय हुआ है कि वीक में दो कालिंग अटेंशन लेंगे, एक शॉर्ट ड्युरेशन डिस्कशन लेंगे। आप देखिए कि बृहस्पतिवार को शॉर्ट ड्युरेशन डिस्कशन लगा हुआ है। **...(व्यवधान)...**

श्री उपसभापतिः हम करेंगे। **...(व्यवधान)...** Don't worry. Nareshji,...

श्री नरेश अग्रवालः सर, उसके बाद एजुकेशन पॉलिसी पर चर्चा करनी है। दोनों पर कैसे चर्चा हो सकती है? यह तो सरकार टालने वाली बात कर रही है। **...(व्यवधान)...**

श्री उपसभापतिः सुनिए, the House is supreme, and we can take any decision. We can decide; don't worry. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, here, the House is not supreme, they are supreme. ...(*Interruptions*)... Sir, the House may be supreme, but they are not taking it seriously. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will sit with the hon. Chairman...

श्री नरेश अग्रवालः सर, रूल 267 में आप हाउस की राय ले लीजिए। ...**(व्यवधान)**... आप हाउस का ओपिनियन ले लीजिए। ...**(व्यवधान)**... आप हाउस का ओपिनियन ले लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः आप सुनिए ...**(व्यवधान)**... हाउस का ओपिनियन ले लिया ...**(व्यवधान)**... इसलिए मैंने बोला कि कल दोपहर 2.00 बजे इस पर चर्चा हो जाएगी। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः आपने उधर का ओपिनियन लिया है, आपने हाउस का ओपिनियन नहीं लिया है। ...**(व्यवधान)**... आप रूल 267 में हाउस का ओपिनियन ले लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I know what it is. ...(*Interruptions*)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः उपसभापति जी ...**(व्यवधान)**...

SHRI T. K. RANGARAJAN: Sir, I have a point of order. ...(*Interruptions*)...

श्री मीर मोहम्मद फ़ैयाज (जम्मू और कश्मीर)ः ऑनरेबल डिप्टी चेयरमैन सर ...**(व्यवधान)**...

†**جناب میر محمد فیّاض:** آنریبل ڈپٹی چیئرمین سر ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have promised Shri Mir Mohammad Fayaz and I will allow him to speak. ...(*Interruptions*)... Do you want to say something, Mir Mohammad Fayaz?

SHRI MIR MOHAMMAD FAYAZ: Yes, Sir. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have already announced my decision that the discussion will be taken up tomorrow at 2.00 p.m. ...(*Interruptions*)... What do I do? How can it be today? ...(*Interruptions*).... Do you want a discussion without the Home Minister? ...(*Interruptions*)... I would crave the indulgence of the hon. Leader of the Opposition. ...(*Interruptions*)... You were also Minister. ...(*Interruptions*)... I will allow you ...(*Interruptions*)... I will come back to you. ...(*Interruptions*)... No, no. I am not allowing...(*Interruptions*)... You were also Minister. You were in the Government ...(*Interruptions*)... Can the Chair announce and start discussion when the concerned Minister is not available? You tell me, Shri Ghulam Nabi Azad ...(*Interruptions*)... Can I do that? ...(*Interruptions*)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः कल आपने जो निर्देश दिया .....**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I know ...(*Interruptions*)... I said, 'at least, by tomorrow.' The word, 'at least' is there. I am sure ...(*Interruptions*)... I said, 'at least, by tomorrow.' ...(*Interruptions*)...

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: No, Sir. This is not correct. ...(*Interruptions*)... Let me correct ...(*Interruptions*)...

† Transliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, sit down...(*Interruptions*)...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदीः आपने कल कहा था। ...**(व्यवधान)**... उसके बाद शरद यादव जी ने कहा, "उपसभापति जी, मैं इस पर और ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। दो-तीन माननीय सदस्यों ने कहा है।" इतना कहते हुए उनका व्यवधान हो गया। उसके बाद उपसभापति ने कहा, "कल discussion होगा। " यह प्रोसिडिंग्स में है। ...**(व्यवधान)**... आपका कहना है कि कल discussion होगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री भुपेंद्र यादव (राजस्थान): कल discussion होगा। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Oh! You see; I understood ...(*Interruptions*)... Chaturvediji, that is the problem when people like me starts speaking in Hindi ...(*Interruptions*)...

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: No, no. You speak good Hindi ...(*Interruptions*)... आप अच्छी हिन्दी बोल लेते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः गुलाम नबी जी। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः सर, ...(व्यवधान)...

†**جناب غلام نبی آزاد:** سر ---(مداخلت)---

SHRI T. K. RANGARAJAN: Sir, I am on a point of order ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः प्वाइंट ऑफ ऑर्डर? अच्छा सुनिए, प्वाइंट ऑफ ऑर्डर। I will allow you after this ...(*Interruptions*)... Are you on a point of order? ...(*Interruptions*)... Let us hear him first.

SHRI T. K. RANGARAJAN : Mr. Deputy Chairman, Sir, several times in the House, when we pointed out that the Minister concerned is not there, you had said that the Cabinet is a collective responsibility and there are other Ministers. Now, the hon. Leader of the House is here. The Minister of Defence is here. The Minister of Law and Justice is here. The Minister of Commerce and Industry is here. Why don't you permit the discussion? ...(*Interruptions*)... What is wrong in it? ...(*Interruptions*)... You cannot deviate from your words...(*Interruptions*)... I expect you to keep your words...(*Interruptions*)...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः आप बिना होम मिनिस्टर के चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो चर्चा करिए। ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. I told you. Sit down. ...(*Interruptions*)... I don't want to make this discussion a *naam-ke-waste* discussion.

† Transliteration in Urdu script.

SHRI T. K. RANGARAJAN: No, no. Sir, hon. Leader of the House is not *name-ke-waste* ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Listen. For discussion, I myself want the Home Minister to be here ...(*Interruptions*)... What is the point in having Minister of Defence or Minister of Communications or Minister of Civil Aviation? Will they give reply to this debate? ...(*Interruptions*)... No, no. I ruled out the point of order ...(*Interruptions*)...

SHRI T. K. RANGARAJAN: Sir, we can have it now ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः गुलाम नबी जी, आप इसको सॉल्व करिए।

श्री गुलाम नबी आज़ादः सर, विपक्ष के जितने नेता हैं और दल हैं, मैं उनको बहुत बधाई देता हूं कि ये तमाम लोग कश्मीर की पीड़ा को समझते हैं, वहां के लोगों और वहां की फोर्सेज़ के दुख और दर्द को समझते हैं। इसलिए ये सब और हम सब जो विपक्ष में बैठे हैं, ...**(व्यवधान)**...

†**قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد):** سر، وِپکش کے جتنے نیتا ہیں اور دل ہیں، میں ان کو بہت بدھائی دیتا ہوں کہ یہ تمام لوگ کشمیر کی پیڑا کو سمجھتے ہیں، وہاں کے لوگوں اور وہاں کی فورسیز کے دکھ اور درد کو سمجھتے ہیں۔ اس لیے یہ سب اور ہم سب جو وِپکش میں بیٹھے ہیں۔۔۔(مداخلت)۔۔۔

श्री नरेश गुजराल (पंजाब)ः क्या यह सारा दर्द आप लोग ही समझते हो, हम नहीं समझते? ...**(व्यवधान)**... हम भी समझते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री गुलाम नबी आज़ादः उस पीड़ा में तो आप शामिल ही नहीं हो रहे हैं। उसी पीड़ा में शामिल करने के लिए हम तीन दिन से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन आप शामिल नहीं होना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... हमने शुरू से ही कहा था कि चर्चा करें और मिलकर ...**(व्यवधान)**... आप सुनते नहीं हैं। हमने कहा था कि चर्चा करके और सब मिलकर अपनी भावनाएं प्रकट करें, लेकिन आप वह मानते नहीं हैं, इसलिए मुझे मजबूरन आधे हाउस को कहना पड़ता है। हम आपको जो बनाना चाहते हैं, आप उसका हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। हम सब आपको उसका हिस्सा बनाना चाहते हैं, लेकिन आप खुद नहीं बनना चाहते हैं। मेरी यह गुजारिश है, यह ठीक है कि यह तय हुआ था कि आज discussion होना चाहिए, लेकिन हमारे साथियों ने कहा कि गृह मंत्री के बगैर नहीं हो सकता, क्योंकि कश्मीर कॉम्पलेक्स इश्यू है। जो प्राइम मिनिस्टर और गृह मंत्री को इंटरनल सिक्योरिटी के बारे में मालूम होगा, वह जानकारी दूसरे किसी मिनिस्टर को नहीं हो सकती है। जब हम चर्चा करते हैं, तो उसमें follow-up action भी होगा। तो follow-up action तो केंद्रीय सरकार की तरफ से गृह मंत्री ही करेंगे, दूसरा कोई मंत्री नहीं करेगा। यहां डिफेंस मिनिस्टर हैं, लॉ मिनिस्टर हैं, हम इनका आदर करते हैं, लेकिन जब यहां कोई भी चर्चा होगी तो उसके बाद उसे follow up करना न तो डिफेंस मिनिस्टर का काम है, न लॉ मिनिस्टर का काम है, न पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर का काम है और न ही सिविल ऐविएशन मिनिस्टर का काम है, वह तो होम मिनिस्टर ही करेंगे। मैं अपने इन सब साथियों की तरफ से गुज़ारिश कर सकता हूँ, क्योंकि हमने कल भी नोटिस दिया था और आज भी नोटिस दिया है कि क्वेश्चर ऑवर को

† Transliteration in Urdu script.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

खत्म कर इस पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन वह कल भी संभव नहीं हो पाया और आज भी मुमकिन नहीं हो पाया। मैं गुज़ारिश करता हूँ कि अगर कल 11 बजे से ही इस पर चर्चा शुरू हो जाएगी तो ठीक होगा, क्योंकि 2 बजे के बाद हाज़िरी thin हो जाती है, स्पीकर्स कम रह जाते हैं, लोगों की मीटिंग्स होती हैं, स्टैंडिंग कमिटीज़ की मीटिंग्स होती हैं, उसमें लोग चले जाते हैं। यह एक ऐसा इश्यू है, जिसमें हम partisan attitude नहीं रखना चाहते हैं। चाहे विपक्षी पार्टीज़ हों या सरकार में शामिल पार्टीज़ हों, हम सब मिलकर इसका हल निकालने की कोशिश करेंगे। मैं नहीं समझता कि सरकार क्यों डर रही है? हम यहां मार-पीट तो नहीं कर रहे हैं! हम अपने शब्दों से ही इस पर बात कर रहे हैं और कश्मीर में जो हालात हैं, उनका हल अपनी-अपनी तरफ से निकालने का प्रयास करने के लिए जमा हो रहे हैं, तो इसमें लड़ाई कहां है? अगर यह कल सुबह 11 बजे शुरू हो जाएगा, तो बहुत अच्छा होगा। उससे गम्भीरता भी लगेगी कि वाकई क्वेश्चन ऑवर — यह ठीक है, मैं चेयर का आदर करता हूँ, माननीय चेयरमैन साहब का भी आदर करता हूँ कि वे कहते हैं कि क्वेश्चर ऑवर कैंसल नहीं होना चाहिए, लेकिन अगर क्वेश्चर ऑवर कभी भी कैंसल नहीं होगा तो फिर रूल 267 ही हमें निकाल देना पड़ेगा, फिर इस रूल की तो कोई जरूरत ही नहीं है! रूल 267 इसीलिए बना है कि जब कोई बहुत जरूरी चीज़ हो, तो उस वक्त इस रूल का इस्तेमाल करना चाहिए। मैं समझता हूँ कि यह एक नेशनल इश्यू है और इसके लिए हमें ज़ीरो ऑवर को खत्म करके कल 11 बजे से इस पर बहस करनी चाहिए।

†**جناب غلام نبی ا زاد:** اس پیڑا میں تو آپ شامل ہی نہیں ہورہے ہیں۔ اسی پیڑا میں شامل کرنے کے لیے ہم تین دن سے چرچہ کررہے ہیں، لیکنا پ شامل نہیں ہونا چاہتے ہیں۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ ہم نے شروع سے ہی کہا تھا کہ چرچہ کریں اور ملکر۔۔۔(مداخلت)۔۔۔ آپ سنتے نہیں ہیں۔ ہم نے کہا تھا کہ چرچہ کرکے اور سب ملکر اپنی بھاؤنائیں پرکٹ کریں، لیکن ا پ وہ مانتے نہیں ہیں، اس لیے مجھے مجبور ا ا دھے ہاؤس کو کہنا پڑتا ہے۔ ہما پ کو جو بنانا چاہتے ہیں،ا پ اس کا حصہ نہیں بننا چاہتے ہیں۔ ہم سب آپ کو اس کا حصہ بنانا چاہتے ہیں، لیکن ا پ خود نہیں بننا چاہتے۔ میری یہ گزارش ہے، یہ ٹھیک ہے کہ یہ طے ہوا تھا کہ آج ڈسکشن ہونا چاہئیے، لیکن ہمارے ساتھیوں نے کہا کہ گرہ منتری کے بغیر نہیں ہو سکتا، کیوں کہ کشمیر کامپلکیس ایشو ہے۔ جو پرائم منسٹر اور گرہ منتری کو انٹرنل سیکورٹی کے بارے میں معلوم ہوگا، وہ جانکاری دوسرے کسی منسٹر کو نہیں ہوسکتی ہے۔

جب ہم چرچہ کرتے ہیں، تو اس میں follow-up action بھی ہوگا۔ تو follow-up action تو مرکزی سرکار کی طرف سے گرہ منتری ہی کریں گے، دوسرا کوئی منتری نہیں کریگا۔

یہاں ڈفینس منسٹر ہیں، لاء منسٹر ہیں، ہم ان کا آدر کرتے ہیں، لیکن جب یہاں کوئی بھی چرچا ہوگی تو اس کے بعد اسے فالو -اپ کرنا نہ تو ڈفینس منسٹر کا کام ہے، نہ

† Transliteration in Urdu script.

لاء منسٹر کا کام ہے، نہ پارلیمنٹری افیئرس منسٹر کا کام ہے اور نہ ہی سول ایوئیشن منسٹر کا کام ہے، وہ تو ہم منسٹر ہی کریں گے۔ میں اپنے ان سب ساتھیوں کی طرف سے گزارش کر سکتا ہوں، کیوں کہ ہم نے کل بھی نوٹس دیا تھا اور آج بھی نوٹس دیا ہے کہ کوئشچن آور کو ختم کر اس پر چرچا ہونی چاہئے، لیکن وہ کل بھی ممکن نہیں ہو پایا اور آج بھی ممکن نہیں ہو پایا۔ میں گزارش کرتا ہوں کہ اگر کل گیارہ بجے سے ہی اس پر چرچا شروع ہو جائے گی تو ٹھیک ہوگا، کیوں کہ دو ہو جاتی ہے، اسپیکرس بجے کے بعد حاضری thin کم رہ جاتے ہیں، لوگوں کی

میٹنگس ہوتی ہے، اسٹینڈنگ کمیٹیز کی میٹنگس ہوتی ہیں، اس میں لوگ چلے جاتے ہیں۔ یہ ایک ایسا ایشو ہے، جس میں ہم partisan attitude نہیں رکھنا چاہیے ہیں۔ چاہیے وپکشی پارٹیز ہوں یا سرکار میں شامل پارٹیز ہوں، ہم سب مل کر اس کا حل نکالنے کی کوشش کریں گے۔ میں نہیں سمجھتا کہ سرکار کیوں ڈر رہی ہے؟ ہم یہاں مار پیٹ تو نہیں کر رہے ہیں، ہم اپنے لفظوں سے ہی اس پر بات کر رہے ہیں اور کشمیر میں جو حالات ہیں، ان کا حل اپنی اپنی طرف سے نکالنے کا پریاس کرنے کےلئے جمع ہو رہے ہیں، تو اس میں لڑائی کہاں ہے؟ اگر یہ کل صبح گیارہ بجے شروع ہو جائے گا، تو بہت اچھا ہوگا۔ اس سے گمبھیرتا بھی لگے گی کہ واقعی کوئشچن آور — یہ ٹھیک ہے، میں چیئر کا آدر کرتا ہوں، مان نّے چیئرمین صاحب کا بھی آدر کرتا ہوں کہ وہ کہتے ہیں کہ کوئشچن آور کینسل نہیں ہونا چاہئے، لیکن اگر کوئشچن آور کبھی بھی کینسل نہیں ہوگا تو پھر رول 267 ہی ہمیں نکال دینا پڑے گا، پھر اس رول کی تو کوئی ضرورت ہی نہیں ہے۔ رول 267 اسی لئے بنا ہے کہ جب کوئی بہت ضروری چیز ہو، تو اس وقت اس رول کا استعمال کرنا چاہئے، میں سمجھتا ہوں کہ یہ ایک نیشنل ایشو ہے اور اس کے لئے ہمیں زیرو آور کو ختم کرکے کل گیارہ بجے سے اس پر بحث کرنی چاہئے۔

श्री मीर मोहम्मद फ़ैयाज़: डिप्टी चेयरमैन सर, मैं सभी पार्टीज़ का, जिन्होंने कश्मीर के बारे में चिंता जाहिर की ...**(व्यवधान)**...

†جناب میر محمد فی اض : ڈپٹی چیئرمین سر، میں سبھی پارٹیز کا، جنہوں نے کشمیر کے بارے میں چنتا ظاہر کی ---(مداخلت)---

श्री उपसभापतिः कल डिस्कशन होगा। ...**(व्यवधान)**... That is why, I have allowed him. ...(*Interruptions*)...

† Transliteration in Urdu script.

श्री मीर मोहम्मद फ़ैयाजः इस पर सभी पार्टीज़ ने चिन्ता जाहिर की, उसके लिए मैं सभी पार्टीज़ का वेलकम करता हूँ। यहां कल भी एक-दो चीज़ें कही गईं, जो आज़ाद साहब ने कही और येचुरी साहब ने भी कही कि ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाए और वहां पर एक ऑल पार्टी डेलिगेशन जाए। सर, मैं कहना चाहता हूँ कि जब वहां इससे पहले, चाहे वर्ष 2008 में हालत खराब हुए या वर्ष 2010 में हालात खराब हुए, ...**(व्यवधान)**... एक मिनट, ...**(व्यवधान)**... आप मुझे अपनी बात क्यों नहीं कहने देते? ...**(व्यवधान)**... मैं जम्मू-कश्मीर का हूँ, मुझे अपनी बात कहने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

†**جناب میر محمد فی اض :** اس پر سبھی پارٹیز نے چنتا ظاہر کی، اس کے لئے میں سبھی پارٹیز کا ویلکم کرتا ہوں۔ یہا ں کل بھی ایک دو چیزیں کہی گئیں، جو آزاد صاحب نے کہی اور یچوری صاحب نے بھی کہی کہ آل پارٹی میٹنگ بلائی جائے اور وہاں پر ایک آل انڈیا ڈیلی گیشن جائے، سر، میں کہنا چاہتا ہوں کہ جب وہاں اس سے پہلے، چاہے سال 2008 میں حالات خراب ہوئے یا سال 2010 میں حالات خراب ہوئے ---(مداخلت)--- ایک منٹ، ---(مداخلت)--- آپ مجھے اپنی بات کیوں نہیں کہنے دیتے؟ ---(مداخلت)--- میں جموں کشمیر کا ہوں، مجھے اپنی بات کہنے دیجئے۔ ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak. ...(*Interruptions*)... I have allowed him. ...(*Interruptions*)... Let him speak. ...(*Interruptions*)... I have allowed him. ...(*Interruptions*)... सुनिए, I have allowed him. ...(*Interruptions*)... He is from Kashmir. I have allowed him to speak. ...(*Interruptions*)... All of you must listen to him. ...(*Interruptions*)... Please listen to him. ...(*Interruptions*)... ठीक है, बोलिए।

मीर मोहम्मद फ़ैयाजः सर, अगर यह चर्चा इसलिए है ...**(व्यवधान)**...

†**جناب میر محمد فی اض:** سر، اگر یہ چرچا اس لئے ہے ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is very bad. ...(*Interruptions*)... I may tell you, this is very bad. ...(*Interruptions*)... Mr. Kalita, you are a Vice-Chairman. This is very bad. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

श्री मोहम्मद अली खान (आंध्र प्रदेश)ः सर, वे बोलते जा रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

†**جناب محمد علی خان:** سر، وہ بولتے جا رہے ہیں ---(مداخلت)----

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Mohd. Ali Khan, you please sit down. ...(*Interruptions*)... You always do this. I don't like it. You sit down. ...(*Interruptions*)... Mr. Khan, what are you doing? ...(*Interruptions*)... You should, at least, have semblance of democracy. ...(*Interruptions*)... If you are sincere, you should listen to him also. ...(*Interruptions*)...

---

† Transliteration in Urdu script.

श्री मीर मोहम्मद फ़ैयाजः आप लोग मुझे बोलने तो दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

†جناب میر محمد فی اض: آپ لوگ مجھے بولنے تو دیجئے ---(مداخلت)---

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You should listen to him also. ...(*Interruptions*)... And, why are you making a noise? ...(*Interruptions*)... You should listen to him also. I have allowed him because he is from Kashmir. ...(*Interruptions*)... I want to hear him. ...(*Interruptions*)... Mr. Rangarajan and Mr. Mohd. Ali Khan, I am warning you. ...(*Interruptions*)... You always do like this. ...(*Interruptions*)... This is very bad. ...(*Interruptions*)... When I have allowed everybody, why not him. ...(*Interruptions*)... Yes, after him, the hon. Home Minister will speak.

श्री मीर मोहम्मद फ़ैयाजः सर, उसके लिए मैं सभी पार्टीज़ का वेलकम करता हूँ। मैं एक ही चीज़ चाहता हूँ। सर, यहां पर अभी यह बात हुई कि इस पर आज ही डिस्कशन हो, लेकिन अगर होम मिनिस्टर साहब यहां न हों, तो उसका कोई मतलब नहीं होता है। सर, वहां लोग देख रहे हैं कि आज इस पार्लियामेंट में क्या होने वाला है? पिछले दो दिनों से मीडिया में यह आ रहा है कि कश्मीर के लोगों के लिए चर्चा होगी। वे देख रहे हैं कि आज यहां क्या होगा, क्योंकि हम यहां जो बात करेंगे, उसका कोई निचोड़ नहीं निकलेगा। पिछले 10 सालों में जब इनकी सरकार थी, तब वहां ऑल पार्टी डेलिगेशन गया, interlocutors गए, वर्किंग ग्रुप की जो सिफारिश थी, उसको न तो पार्लियामेंट में लाया गया और न ही उस पर कोई बात हुई। आज जो हम भुगत रहे हैं, वह उसी का नतीजा है। आज आप यहां से फिर पार्लियामेंट्री डेलिगेशन भेजेंगे, लेकिन उनको वहां कौन मिलेगा? येचुरी साहब वहां तीन बार गए, उनको वहां कौन मिला? कश्मीर के बारे में आपके पास एक रोडमैप बना हुआ है, उस पर अगर आप चर्चा करेंगे, तो उसका हम वेलकम करेंगे। आज हमें यह लग रहा है कि कश्मीर के बारे में सभी पार्टीज़ ने जो चिन्ता जाहिर की, उससे अगर कुछ हल निकलेगा, तो हम उसका वेलकम करेंगे।

†جناب میر محمد فی اض : سر، اس کے لئے میں سبھی پارٹیز کا ویلکم کرتا ہوں- میں ایک ہی چیز چاہتا ہوں- سر، یہاں پر ابھی یہ بات ہوئی کہ اس پر آج ہی ڈسکشن ہو، لیکن اگر ہوم منسٹر صاحب یہاں نہ ہوں، تو اس کا کوئی مطلب نہیں ہوتا ہے- سر، وہاں لوگ دیکھہ رہے ہیں، کہ آج اس پارلیمنٹ میں کیا ہونے والا ہے؟ پچھلے دو دنوں سے میڈیا میں یہ آرہا ہے کہ کشمیر کے لوگوں کے لئے چرچا ہوگی- وہ دیکھہ رہے ہیں کہ آج یہاں کیا ہوگا، کیوں کہ ہم یہاں جو بات کریں گے، اس کا کوئی نچوڑ نہیں نکلے گا- پچھلے دس سالوں میں جب ان کی سرکار تھی، تب وہاں آل پارٹی ڈیلی گیشن گیا، interlocutors گئے، ورکنگ گروپ کی جو سفارشات تھیں، اس کو نہ تو پارلیمنٹ میں لایا گیا اور نہ ہی اس پر کوئی بات ہوئی- آج جو ہم بھگت رہے ہیں، وہ اسی کا نتیجہ ہے- آج آپ یہاں سے پھر پارلیمنٹری ڈیلی گیشن بھیجیں گے

† Transliteration in Urdu script.

لیکن ان کو وہاں کون نکالے گا؟ یچوری صاحب وہاں تین بار گئے، ان کو وہاں کون ملا؟ کشمیر کے بارے میں آپ کے پاس ایک روڈ-میپ بنا ہوا ہے، اس پر اگر آپ چرچا کریں گے، تو اس کا ہم ویلکم کریں گے۔ آج ہمیں یہ لگ رہا ہے کہ کشمیر کے بارے میں سبھی پارٹیز نے جو چنتا ظاہر کی، اس سے اگر کچھ حل نکلے گا، تو ہم اس کو ویلکم کریں گے۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you. Hon. Home Minister.

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): डिप्टी चेयरमैन सर, क्वेश्चन ऑवर के बाद एक छोटे-से काम के लिए जब मैं अपने चैम्बर में पहुँचा तो वहीं राज्य सभा चैनल पर देखा कि राज्य सभा के हमारे नेता प्रतिपक्ष, श्री गुलाम नबी आज़ाद साहब बोल रहे हैं और इन्होंने एक प्रस्ताव रखा है कि कल 11 बजे से इस पर चर्चा प्रारंभ हो। मैं इनके प्रस्ताव से पूरी तरह से सहमत हूँ। मेरा यह मानना है कि कश्मीर की स्थिति निश्चित रूप से बहुत ही गम्भीर है। मैं यह दावा कभी नहीं करना चाहता और किसी को भी यह दावा नहीं करना चाहिए कि कश्मीर जैसे सेंसिटिव स्टेट की जिस प्रकार की इस समय की complicated problem है, उलझी हुई जो समस्या है, उसका समाधान अकेले सरकार करेगी। यदि समाधान करना होगा, तो हम सभी का सहयोग लेकर ही समाधान करना चाहेंगे। यदि सदन चाहता है कि इस पर कल 11 बजे से चर्चा हो तो इस पर कल 11 बजे से चर्चा के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. All right. That solves the problem. Now, Zero Hour. Shri Sharad Yadav. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): सर, प्वाइंट ऑफ ऑर्डर। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no point of order. ...(*Interruptions*)... Zero Hour. Shri Sharad Yadav. ..(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: No Question Hour tomorrow? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, the suggestion came from this side that discussion should start at 11.00 a.m. The Government has agreed; the Home Minister agreed. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: No Question Hour! ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That much he said. The rest we will see. Sharad Yadavji. ...(*Interruptions*)... Sharad Yadvaji.